हिन्दी 'ब'

Ss

कक्षा - X

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड - 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए - 1x5=5

आधुनिक युग में नारी को जहाँ आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त हुई है वहीं उसके लिए नई समस्याएँ उभर आई है। आर्थिक स्वतंत्रता के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं रह जाता। इससे उसके अधिकार बढ़े है, पर नई ज़िम्मेदारियाँ भी उस पर लद गई हैं। वह इन समस्याओं को सुलझाने के प्रयास में लगी हुई है। नौकरी करना नारी की विवशता बन गई है। यह उसकी जीविका का साधन है। नौकरी उसे स्वावलंबन प्रदान करता है। नारी मातृत्त्व और करुणा की सजीव मूर्ति है। यदि वह अपने घर-परिवार को छोड़कर नौकरी करने जाती है तो इसका एकमात्र कारण उस पर आर्थिक दबाव है। उसे नौकरी इसलिए करनी पड़ती है ताकि वह अपन घर-परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधार सके। नौकरी से उसकी दूसरों का आर्थिक निर्भरता समाप्त होती है। यही आर्थिक परतंत्रता उसे शारीरिक एवं मानसिक यंत्रणा झेलने को विवश करती है। पुरुष वर्ग नारी को आर्थिक प्रश्रय देकर उसे मन बहलाव की गुड़िया बना लेना चाहता है। नारी इसी चंगुल से मुक्ति की कामनावश नौकरी की राह पर चल पड़ती है।

नारी की आर्थिक स्वतंत्रता उसे आत्मविश्वास प्रदान करती है। वह अधिक प्रभावशाली ढंग से अपने मार्ग में आने वाली समस्याओं का सामना करने में सफल हा पाती है। इससे उसमें साहस का गुण स्वतः आ जाता है। आधुनिक काल में नारी सामाजिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

(क) नारी को किसकी सजीव मूर्ति कहा गया है ?

(i) मातृत्त्व और करुणा की (ii) सहनशीलता और त्याग की

(iii) दया और तपस्या की (iv) त्याग और तपस्या की

(ख) नारी को आत्म विश्वास मिलता है -

(i) ईश्वर भक्ति से (ii) सुंदर वस्त्र पहनने से

(iii) आर्थिक स्वतंत्रता स (iv) बच्चों की कामयाबी से

(ग) नारी को आर्थिक स्वतंत्रता मिलने से उसकी कौन-सी समस्या बढ़ी है ?

(i) पारिवारिक शान्ति भंग हो गई।

(ii) बच्चों की देखरेख करना कठिन हो गया।

(iii) जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ गया।

(iv) आर्थिक व्यय बढ़ गया।

(घ) नारी के कष्ट झेलने की विवशता का अहम् कारण है उसकी -

(i) सामाजिक परतंत्रता (ii) आर्थिक गुलामी

(iii) शारीरिक परतंत्रता (iv) मानसिक गुलामी

(ङ) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक हो सकता है -

(i) नारी और नौकरी (ii) नारी शक्ति

(iii) महान नारी (iv) सामाजिक नारी

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए - **1x5=5**

हमारा अस्तित्त्व हमारी प्रवृत्तियाँ तथा जीवन का प्रत्येक क्षण सत्य की आराधना के लिए होना चाहिए। ऐसा होने पर सारे नियम प्राप्त हो जाते हैं तथा उनका पालन आसान बन जाता है। सत्य हमारी वाणी, विचार तथा आचार में होना चाहिए। सत्य ही जगत का सार तथा सत्य की प्राप्ति सच्चा आनंद है। सत्य से ही हमें उचित-अनुचित का ज्ञान होता है। सत्य को अभ्यास तथा वैराग्य से प्राप्त किया जा सकता है। सत्य नाम ही परमेश्वर है, सत्य की खोज के साथ तपश्चर्या आत्मकष्ट तथा मर-मिटना होता है, वहाँ स्वार्थ नहीं होता। अत: स्वयं ही भूल सुधार हो जाती है। जिस प्रकार सबको परमात्मा अलग-अलग रूप में दिखाई देते हैं। उसी प्रकार सत्य भी सबके लिए भिन्न हो सकते हैं।

सत्य की आराधना भक्ति है। भक्ति हरि का मार्ग है, उसमें कायरता नहीं होती, हार नहीं होती, वह तो सिर हथेली पर लेकर चलने का सौदा है। वह तो मर मिटना है सत्यरूपी परमेश्वर रत्न चिंतामणि है। सत्य और अहिंसा का मार्ग सीधा परन्तु तंग है। खाँडे की धार पर चलने के समान है। वह पल-पल साधना से ही प्राप्त होता है। यह शरीर क्षणभंगुर है। इसमें संपूर्ण सत्य शाश्वत धर्म का दर्शन असम्भव है। मार्ग में आने वाले संकटों को सहने से जिज्ञासु आगे बढ़ सकता है परन्तु संकटों का नाश करने से वह वहीं का वहीं रहता है, नाश करने से सत्य दूर भागता है।

(क) नियम हमें कैसे प्राप्त होते ह ?

(i) असत विचारों के द्वारा (ii) ईश्वर की भक्ति से

(iii) सत्य की आराधना से (iv) मंदिर में जाने पर

(ख) सत्य से हमें किसका ज्ञान प्राप्त होता है ?

(i) उचित-अनुचित का (ii) जगत का

(iii) आचार-विचार का (iv) शाश्वत धर्म का

(ग) हमारे अस्तित्त्व का उद्देश्य होना चाहिए -

(i) धनोपार्जन (ii) समाज सेवा

(iii) सत्य की आराधना (iv) ईमानदारी

(घ) सत्यरूपी परमेश्वर को किसकी संज्ञा दी गई है ?

(i) रत्न चिंतामणि (ii) पारस की पथरी

(iii) कसौटी का पत्थर (iv) हरि का मार्ग

(ङ) भक्ति के मार्ग के बारे में क्या सच नहीं है ?

(i) उसमें दृष्टि नहीं होती।

(ii) वह अपने आपको न्योछावर करने की चुनौती है।

(iii) उसमें कायरता नहीं होती।

(iv) वह सत्य की आराधना नहीं है।

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए - 1x5=5

थैलियाँ समर्पित की सेवा के हित हज़ार,
श्रद्धांजलियाँ अर्पित की तुमको लाख बार,
तुम्हें न थी इनकी कोई आवश्यकता,
पुष्पांजलियाँ भी तुम्हें देश ने दीं अपार,
अब, हाय, तिलांजलि
देने की आई बारी।

तुम तिल थे लेकिन रहे झुकाते सदा ताड़,
तुम तिल थे लेकिन लिए ओट में थे पहाड़,
शंकर-पिनाक-सी रही तुम्हारी जमी धाक,
तुम हटे न तिल भर, गई दानवी शक्ति हार;
तिल एक तुम्हारे जीवन की
व्याख्या सारी।

तिल-तिल कर तुमने देश कीच से उठा लिया;
तिल-तिल निज को उसकी चिंता में गला दिया,
तुमने स्वदेश का तिलक किया आज़ादी से,
जीवन में क्या, भरकर भी एक तिलस्म किया;
कातिल ने महिमा
और तुम्हारी विस्तारी।

(क) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा -
(i) तिल-तिल (ii) गाँधी का तिलस्म
(iii) तिल का ताड़ (iv) महिमा विस्तारी

(ख) कवितांश में किसकी महत्ता का बखान किया है ?
(i) जवाहरलाल नेहरू (ii) महात्मा गाधी
(iii) इंदिरा गाँधी (iv) वीर सिपाही

(ग) 'दानवी शक्ति' - किसकी थी ?
(i) आततायी अंग्रेज़ों की (ii) कठोर हृदय लोगों की
(iii) देशद्राही लोगों की (iv) कातिल को

(घ) "तिल-तिल निज को उसकी चिंता में गला दिया" - पंक्ति का आशय है -
(i) चिंता में कमज़ोर हो जाना। (ii) बीमारी में तिल-तिल कर मरना।
(iii) देश के लिए सर्वस्व त्यागना। (iv) देश को हानि पहुँचाना।

(ङ) "तुम तिल थे लेकिन रहे झुकाते सदा ताड़" का क्या आशय है ?
(i) साधारण होकर भी असाधारण काम करना।
(ii) तिल होकर भी पहाड़ बनना।
(iii) ताड़ और पहाड़ की तरह जीवन।
(iv) तिल और ताड़ का भेद न समझना।

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए - 1x5=5

न देखा रास्ता कठिन, न सोच रात है कि दिन
सधे हुए कदम उठा, न कोस एक-एक गिन
तुझे बुला रहा पथिक डगर अगर कठिन विषम
न लक्ष्य दूर है कहीं उठा कदम, बढ़ा कदम।
डगर निहारती तुझे, विजय पुकारती तुझे
बुला रही सगर्व सुन महान भारती तुझे
न और वक्त है रहा, प्रवीर रक्त तू बहा,
न शेष कुछ रहा जिसे तुझे न आज है कहा।

(क) कविता किसे संबोधित है ?
(i) भारतीय वीर को (ii) पथिक को
(iii) दुर्गम मार्ग को (iv) महान भारती को

(ख) कवि क्या न देखने की बात कहता है ?
(i) कठिन कार्य (ii) कठिन लक्ष्य
(iii) कठिन मार्ग (iv) कठिन जीवन

(ग) 'महान भारती' कौन है ?
(i) भारत की आत्मा (ii) भारत की भाषा
(iii) भारत की पुकार (iv) भारत की मित्रता

(घ) 'डगर' का आशय है -
(i) मार्ग (ii) क्रम (iii) यात्री (iv) लक्ष्य

(ङ) कवि को कैसी राहें बुला रही है ?
(i) सरल-सहज (ii) दुर्गम-अगम
(iii) कठिन-विषम (iv) स्निग्ध-मधुर

खण्ड - 'ख'

5. (क) तत्सम एवं तद्भव शब्द का एक-एक उदाहरण लिखिए। 1
(ख) गंगा को हिंदू एक पवित्र नदी मानते ह। वाक्य से दो संज्ञा पद छाँटिए। 1
(ग) 'वह हमेशा कोई न कोई बड़ी शरारत कर बैठता है।' वाक्य में विशेषण पदबंध छाँटिए। 1
(घ) विजया हर समय घर में झाड़ू लगाती रहती है। वाक्य में क्रिया पदबंध लिखिए। 1

6. (क) मैं दसवीं कक्षा में खूब मेहनत करूँगा। रेखांकित पद का परिचय लिखिए। 1
(ख) रमेश आज शांत बैठा है। रेखांकित पद का परिचय लिखिए। 1
(ग) राजीव अपने स्थान पर ही बैठा है। रेखांकित पद का परिचय लिखिए। 1
(घ) यदि उत्तर नहीं आता तो चुप रहना ही उचित है। रचना के आधार पर वाक्य का भेद बताइए। 1

7. (क) 'कम आय वालों को सोच समझकर व्यय करना चाहिए।' मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए। 1

(ख) छात्रों में परिश्रम किया और वे उत्तीर्ण हो गए। मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए। 1

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का संधि कीजिए - लघूर्मि, नरेश, अधरौष्ठ 1+1=2

8. (क) कवि + इच्छा में संधि कीजिए। 1

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो समस्त पद का विग्रह कर भेद का नाम लिखिए। 1+1=2

रणकौशल, सचिवालय, कनकलता, दहीबड़ा

(ग) 'धन से हीन' का समस्त पद बनाकर समास का भेद लिखिए। 1

9. (क) निम्नलिखित मुहावरे एवं लोकोक्तियों में से किन्हीं दो का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए। 1+1=2

(i) टाल-मटोल करना

(ii) दुम दबा कर भागना

(iii) ठोकरें खाना

(iv) घर का भेदी लंका ढाए

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे अथवा लोकोक्ति द्वारा कीजिए। 1+1=2

(i) मेरी कम उम्र देखकर अनाड़ी न समझना क्योंकि मैंने घाट _____ रखा है।

(ii) पुलिस ने चोर की ऐसी ख़बर ली कि उसे _____ याद आ गया।

खण्ड - 'ग'

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 1x5=5

ऐसी बाणी बालिये, मन का आपा खोइ।
अपना तन सीतल करै, औरन कौ सुख होइ।।
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नाहीं।
सब अँधियारा मिट गया, जब दीपक देख्या माँहि।।

(1) 'मन का आपा खोइ' में 'आपा' शब्द का अर्थ है -

(क) अपनापन (ख) स्वाभिमान (ग) अहंकार (घ) गर्व

(2) कवि का नाम है -

(क) मीरा (ख) कबीर (ग) सूरदास (घ) प्रेमचंद

(3) कौन-सा अँधियारा मिट गया ?

(क) मंदिर का (ख) अज्ञान का

(ग) रात का (घ) तीनों ठीक हैं।

(4) 'दीपक देख्या माँहि' में 'दीपक' का अर्थ है -

(क) माटी का दिया (ख) दीपक की लौ

(ग) ज्ञान का दीपक (घ) सूर्य रूपी दीपक

(5) 'जब मैं था - में 'मैं' का अर्थ है -

(क) कबीर (ख) समाज (ग) अहंकार (घ) दुनिया

अथवा

हरि आप हरो जन री भीर।
द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।।
भगत कारण रूप नरहरि, धरयो आप सरीर।
बूड़तो गजराज राख्यो, काटी कुणजर पीर।
दासी मीराँ लाल गिरधर, हरो म्हारो भीर।।

(1) 'भीर' का आशय है –
(क) पीड़ा (ख) विपत्ति (ग) कष्ट (घ) बाधा

(2) 'आप बढ़ायो चीर' में 'आप' किसके लिए आया है ?
(क) ईश्वर (ख) शिव (ग) विष्णु (घ) कृष्ण

(3) किस भक्त के कारण भगवान ने नरहरि रूप धारण किया ?
(क) ध्रुव (ख) प्रहलाद (ग) होलिका (घ) विष्णु

(4) 'हरो म्हारी भीर' मीरा किस पीड़ा को दूर करने का प्रयास कर रही है ?
(क) घर छोड़ आने की पीड़ा
(ख) तीर्थ स्थानों की यात्रा करने से उत्पन्न पीड़ा
(ग) श्री कृष्ण के दर्शन न कर पाने की पीड़ा
(घ) लोगों को दुखी देखकर उत्पन्न हुई पीड़ा

(5) मीरा पीड़ा हरने की बात किससे कह रही है ?
(क) राम से (ख) कृष्ण स (ग) शिव से (घ) ईश्वर से

11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **3x2=6**

(क) बड़े भाई साहब ने ज़िंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्त्वपूर्ण कहा है।
(ख) कलकत्तावासियों के लिए 20 जनवरी 1931 का दिन क्यों महत्त्वपूर्ण था ?
(ग) 'तीसरी कसम' फिल्म को खरीददार क्यों नहीं मिल रहे थे ?

12. 'तीसरी कसम' में राजकपूर का महिमामय व्यक्तित्त्व किस तरह हीरामन की आत्मा में उतर गया है – स्पष्ट कीजिए। **5**

अथवा

व्यथा आदमी का पराजित नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है – स्पष्ट कीजिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

अभिनय के दृष्टिकोण से 'तीसरी कसम' राजकपूर की ज़िंदगी की सबसे हसीन फ़िल्म है। राजकपूर जिन्हें समीक्षक और कला-मर्मज्ञ आँखों से बात करने वाला कलाकार मानते हैं, 'तीसरी कसम' में मासूमियत के चर्मोत्कर्ष को छूते है। अभिनेता राजकपूर जितनी ताकत के साथ 'तीसरी कसम' में मौजूद है, उतना 'जागते रहो' में भी नहीं। 'जागते रहो' में राजकपूर के अभिनय को बहुत सराहा गया था, लेकिन 'तीसरी कसम' वह फ़िल्म है जिसमें राजकपूर अभिनय नहीं करता वह हीरामन के साथ एकाकार हो गया है। खालिस देहाती भुच्च गाड़ीवान जो सिर्फ दिल की जुबान समझता है, दिमाग की नहीं। जिसके लिए मोहब्बत के सिवा किसी दूसरी चीज का कोई अर्थ नहीं। बहुत बड़ी बात यह है कि 'तीसरी कसम' राजकपूर के अभिनय-जीवन का वह मुकाम है, जब वह

एशिया के सबसे बड़े शोमैन के रूप में स्थापित हो चुके थे। उनका अपना व्यक्तित्त्व एक किंवदंती बन चुका था लेकिन 'तीसरी कसम' में वह महिमामय व्यक्तित्व पूरी तरह हीरामन की आत्मा में उतर गया है। वह कहीं हीरामन का अभिनय नहीं करता, अपितु खुद हीरामन में ढल गया है। हीराबाई की फेनु-गिलासी बोली पर रीझता हुआ, उसकी 'मनुआ-नटुआ' जैसी भोली सूरत पर न्योछावर होता हुआ और हीराबाई की तनिक-सी उपेक्षा पर अपने अस्तित्व से जूझता हुआ सच्चा हीरामन बन गया है।

(1) 'तीसरी कसम' का प्रधान पात्र कौन था ? 2

(2) समीक्षकों का राजकपूर के बारे में क्या कहना है ? 2

(3) 'जागते रहो' और 'तीसरी कसम' में राजकपूर के अभिनय में क्या अंतर है। 1

अथवा

बृजलाल गोयनका जो कई दिन से अपने साथ काम कर रहा था और दमदम जेल में भी अपने साथ था, पकड़ा गया। पहले तो वह झंडा लेकर वंदेमातरम् बोलता हुआ मोनुमेंट की ओर इतने ज़ोर से दौड़ा कि अपने आप ही गिर पड़ा और उसे एक अंग्रेज़ी घुड़सवार ने लाठी मारी फिर पकड़ कर कुछ दूर ले जाने के बाद छोड़ दिया। इस पर वह स्त्रियों के जुलूस में शामिल हो गया और वहाँ पर भी उसको छोड़ दिया तब वह दो सौ आदमियों का जुलूस बनाकर लाल बाज़ार गया और वहाँ पर गिरफ्तार हो गया। मदालसा भी पकड़ी गई थी। उससे मालूम हुआ कि उसको थाने में भी मारा था। सब मिलाकर 105 स्त्रियाँ पकड़ी गई थीं। बाद में रात को नौ बजे सबको छोड़ दिया गया। कलकत्ता में आज तक इतनी स्त्रियाँ एक साथ गिरफ्तार नहीं की गई थीं। करीब आठ बजे खादी भंडार आए तो कांग्रेस आफ़िस से फ़ोन आया कि यहाँ बहुत आदमी चोट खाकर आए हैं और कई की हालत संगीन है उनके लिए गाड़ी चाहिए। जानकी देवी के साथ वहाँ गए, बहुत लोगों को चोट लगी हुई थी। डॉक्टर दासगुप्ता उनकी देख-रेख तथा फ़ोटो उतरवा रहे थे। उस समय तक 67 आदमी वहाँ आ चुके थे। बाद में तो 103 तक आ पहुँचे।

(1) बजलाल कैसे गिर पड़ा ? 1

(2) बृजलाल गोयनका के साथ कैसा व्यवहार किया गया। 2

(3) कुल कितनी स्त्रियाँ गिरफ्तार हुईं ? उनके साथ क्या व्यवहार किया गया ? 2

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लिखिए - 3x3=9

(1) 'तोप' कविता से तोप के विषय में क्या जानकारी मिलती है ?

(2) झरने किसके गौरव का गान करते ह ? बहते हुए झरनों की तुलना किससे की गई है ?

(3) अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने क्या उपाय सुझाया है ?

(4) मीरा के किसी पद का केंद्रीय भाव लिखिए।

15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए - 3x2=6

(1) कथावाचक तथा हरिहर काका के बीच क्या संबंध था और इसके क्या कारण थे ?

(2) ठाकुरबाड़ी का क्या काम था ?

(3) अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका को दुनिया की बेहतर समझ कैसे थी ? कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

16. हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले कौन लोग थे ? उन्होंने उनके साथ कैसा बर्ताव किया ? 4

अथवा

अज्ञान की स्थिति में ही मनुष्य मृत्यु से डरता है। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु का वरण करने के लिए भी तैयार हो जाता है - स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - 'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए - 5

(क) प्राकृतिक संसाधनों का नाश

- प्राकृतिक संसाधनों का अर्थ व प्रकार
- दुरुपयोग से हानि
- संसाधनों का सीमित होना

(ख) सत्संगति

- सत्संगति का अर्थ
- सत्संगति का प्रभाव
- कुसंगति से हानि

(ग) जनसंचार क्रांति

- जनसंचार का अर्थ
- स्वरूप व कार्य
- मानव जीवन पर प्रभाव

18. मच्छरों एवं गदगी से बढ़ने वाले रोगों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अपने इलाके की स्थिति बताते हुए नगर-निगम को पत्र लिखिए । 5

अथवा

आपका स्थाई निवास का पता बदल गया है। इसकी सूचना देते हुए अपने प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए।

-oOo-